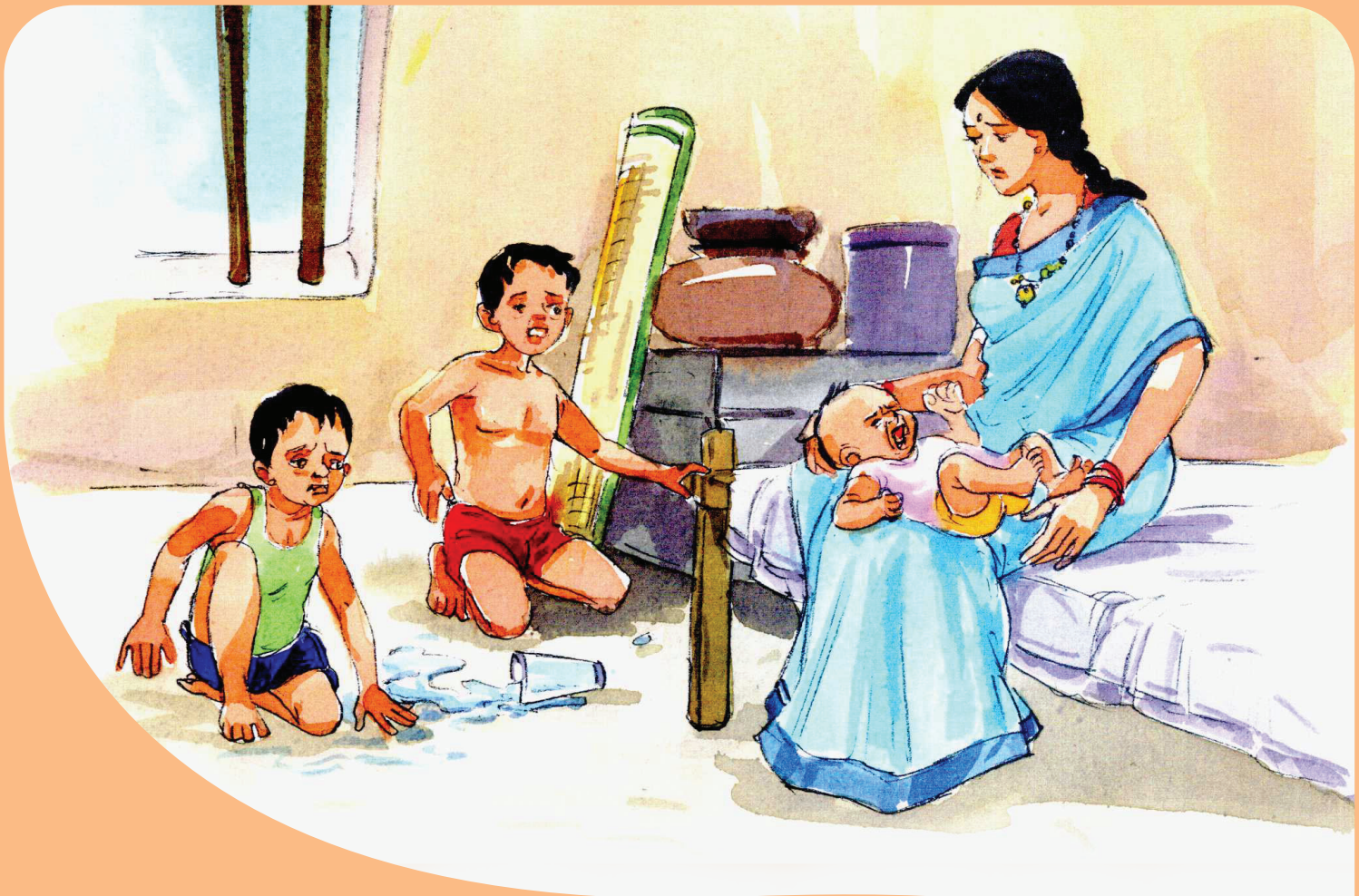

गौरी की कहानी से हमें यह शिक्षा मिली कि–

- *20 के बाद ही होती है माँ बनने की सही उम्र।*
- *माता-पिता और सास-ससुर को शादी के तुरंत बाद माँ बनने का दबाव नहीं बनाना चाहिए।*
- *शादी के तुरंत बाद माँ बनने का दबाव पड़ने से लड़की इतनी समझदार नहीं होती कि जीवनसाथी से परिवार नियोजन साधनों पर कोई सहमती बना सके।*
- *20 से पहले माँ बनने से अधिकतर एक के बाद एक बच्चे होते चले जाते हैं जिससे बच्चों की देखभाल और शिक्षा पर बुरा असर पड़ता है।*
- *जल्द शादी और फिर जल्दी-जल्दी ही बच्चे होने से पति-पत्नी पर आर्थिक दबाव पड़ता है और वे अपने बच्चे की उतनी अच्छी परवरिश नहीं कर पाते।*
- *लड़की पारिवारिक जिम्मेदारियों और बच्चों की परवरिश में इस तरह उलझ के रह जाती है कि जीवनसाथी के संग अच्छा वक्त बिताने का मौका ही नहीं मिल पाता।*
- *20 की उम्र से पहले माँ बनने से लड़की को अपनी पढ़ाई और सपने पूरे करने का मौका ही नहीं मिल पाता और वह जीवन भर कुंठित रहती है।*
- *20 से कम उम्र में माँ बनने में लड़की की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। उसे जल्दी-जल्दी गर्भ ठहरना, डिलीवरी में जान का जोखिम, उच्च रक्तचाप, खून की कमी जैसी स्थितियां झेलनी पड़ सकती हैं।*
- *20 से कम उम्र में माँ बनने से लड़की अपना आत्मविश्वास विकसित कर एक सहज और खुशहाल नारी बनने का अवसर ही नहीं पाती है।*
- *20 से कम उम्र में माँ बनने से पति-पत्नी में दोस्ती और बराबरी का रिश्ता ही नहीं पनपता बल्कि अक्सर लड़कियां घरेलू हिंसा और मारपीट का शिकार होती हैं।*

20 के बाद ही खुशखबरी

RKSK

सत्यमेव जयते

NATIONAL HEALTH MISSION